अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 30 जून 2025

PAGE NO : 06 TOP

कलयुग की यशोधरा नाटक के मंचन ने मोहा मन

यशोधरा और सिद्धार्थ की कहानी से प्रेरित है नाटक

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार में रविवार को नाटक 'कलयुग की यशोधरा' का मंचन किया गया। यह एक पारिवारिक नाटक है जो यशोधरा और सिद्धार्थ की कहानी से प्रेरित है।

नाटक की मुख्य पात्र नताशा है। उसके परिवार में पति नरेश, बच्चे प्रखर, दक्षिता और सास-ससुर हैं। एक दिन नरेश घर छोड़ कर चला जाता है और अपनी स्टेनो के साथ रहने लगता है। नरेश के जाने की बात नताशा अपने सास और ससुर को बताती है। सास-ससुर नताशा को जिम्मेदार ठहराते हैं। अब नताशा पर बच्चों और सास ससुर को पालने की जिम्मेदारी है।

नताशा की सहेली स्नेहा उसे हिम्मत देती है और सिलाई करने के प्रेरित करती है। इसी तरह संघर्ष करते हुए बीस साल निकल जाते है। एक दिन नताशा पति को वापस आया देख आने का कारण पूछती है। कोई उत्तर न होने पर नरेश वापस जाने लगता है तो नताशा उसे रोक कर कहती है कि जैसे यशोधरा के दरवाजे से सिद्धार्थ खाली हाथ वापस नहीं गया था, उसी तरह तुम भी खाली हाथ वापस नहीं जाओगे। वह मां-पिता को नरेश को सौंप देती है। यहीं पर नाटक समाप्त हो जाता है।

इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेश सक्सेना मौजद रहे। संवाद